महालक्ष्मी माहा-
त्म्य कथा 14

[illegible]

[illegible] ॥

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार II-14

ःॐ नमः महाकालेश्वरीं नमः॥ ॐ नमाय त्रमहाकालेश्वर गुरुपादुकाय ह्रः॥ ॐ नमः हृदयाय नमः॥ ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा॥ ॐ ह्रूं शिखायै
ःवषट्॥ ॐ ह्रैं कवचाय हुं॥ ॐ नेत्र ःत्रयाय नमः॥ ॐ अस्त्राय फट्॥०॥ अर्घपात्रपूजा॥०॥ हृदयादि॥ ॐ हृदया
प्र ःय नमः॥ शिरसे नमः॥ ॐ शिखायै नमः॥ ॐ कवचाय नमः॥ ॐ नेत्राय नमः॥ ॐ अस्त्राय फट्॥०॥ द्वारपूजा॥०॥ ॐ गं
ःय नमः॥ प्रवंशाय नमः॥ गणपतये नमः थथथथथ॥ गुरुभ्यो नमः॥ दुर्गायै नमः॥ महाकालाय नमः॥ थथथथथथथथथथ ७

गं गणपतये नमः॥ क्षेत्रपालाय नमः॥ कालीनमः॥ महाकालीनमः॥०॥ निर्विघ्नेन मन्त्र॥०॥ मेत्र॥०॥ पाद्यपाद्यवस्त्रनामवियापद्माय॥
शालिका श्रीपादुकवंशांगं निर्विघ्नकथानुहं॥ ॥०॥ आत्मपूजा॥०॥ हृदयायनेमेश्वदिने॥०॥ ध्यान॥०॥ ॐ निष्कृपध्यासमा
कराकुं कमावंसुनमप्रजा॥ णकास्यास्त्रपत्री निनीलायपलदलकणी॥ याजम त्रिजीकिलाह्याय्यास्त्रीनवणतिपिता॥ रवं
गंजस्वत्र शूलपद्ममवरा॥ दक्षिणप्र ःशवदंवदाधनी॥ जथापचणहस्तनहठकोहितर्जनत्रु॥ भगजलु
कपालंवपुष्पकानेवमपद्मागाकिलमानेनक्षावदाह्लादकारण॥०॥ पुष्पवाचपूजा॥०॥ गोमुखादानेमः॥ हृदयभुजाग

स्ना २

सिंहध्वजाय नमः ॥ विद्याधरध्वजाय नमः ॥ अपराजितध्वजाय नमः ॥ गुणकेशाग्राय नमः ॥ पद्माग्राय नमः ॥ गुणपद्माग्राय नमः ॥ कुसुमाय

नमः ॥ श्रीध्वजाय नमः ॥ कुसुमध्वजाय नमः ॥ सिंहाग्राय नमः ॥ वज्रपद्माय नमः ॥ अमिताभाय नमः ॥ वज्रकेतुकाय नमः ॥

श्रि ॐ नमो श्रीवज्रमहालक्ष्मी नमः ॥०॥ यानि ॥ ॥ जयाय नमः ॥ विजयाय नमः ॥ अजिताय नमः ॥ अपराजिताय नमः

२ ॥ जम्भनी नमः ॥ स्तम्भनी नमः ॥ मोहनी नमः ॥ मोहनी नमः ॥ आकर्षणी नमः ॥ महालक्ष्मी नमः ॥ राजलक्ष्मी नमः ॥ श्री २

तिलकलक्ष्मी नमः ॥ पुष्पलक्ष्मी नमः ॥ धनलक्ष्मी नमः ॥ धान्यलक्ष्मी नमः ॥ लक्ष्मीसंज्ञागोचराय नमः ॥ जयलक्ष्मी नमः ॥ श्रीं

॥ ... ॥ ... ॥ ... नावशि ॥ कलशभूमिमाश्रित्य ... नानादेव अर्घपूर्णं दलगन्धपुष्पधूपदीपं गन्धं ॥ पुष्पादिभिः प्रः ॥

धूपादि दद्यात् ॥ मिवस्वकं ॥ चयपङ्क्तिमध्ये ॥ ॥ कथं तु गन्धव्यसनाय्य ... देवं अधूमिगदापस्तिब्रकीयन्तानविपत्तिमा

यज्ञमाला ॥ पुष्पादिभिः ॥ मङ्गलानि ॥ ॥ यज्ञमाला विद्याविजय ॥ कस्मात् कलशमापवं क्रियाविघ्नादिभिः

तोतिनि ॥ तत्र ... नानकर्म ... कर्तकया ॥ लियकित्व ... आय ... तिक ॥ यः ... मन्त्रमुक्तव्यं ॥ ॥ कलश

मनात्मायां ब्रह्मणादयः ... विधामपूर्व अवजिता ॥ थथथथथ ॥ महा ... कलशपञ्चगव्यमध्ये ... ॥ जाबा ... ॥

[illegible]

३ [illegible] … [illegible] ३

[illegible] … [illegible] ॥

[illegible] … [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] … [illegible]

[illegible] … [illegible]

[illegible] … [illegible]

[illegible] … [illegible]

ঃস্বগলিখাকলিত্রয়ং। মঙ্কালস্কন্দত্রস্কণাকালাসুৰবিনাসনী। ক্ষামাযাক্ষত্রিপ্রাগণ্ডগয়াসুৰমিদ্ধদনী। মহাকালীগুহ্যক্ষিণালিখ
ঃসামক্রিযানসী॥ মৰ্দ্বক্রিকভমাক্ষযামর্থং ঃ প্রাস্থঙ্কনযুগে। তনঞ্জসুনিখঃ সৰ্ব্বক্রিযেখামাংদগন্ধগন্ধাঃ। ক্ষত্রাণীক্রি
৭ ঃত্রিসাঙ্কিনাকঙ্ক'ন মিঘনঃপুনঃ॥ ॐ॥ঃ ঃ॥ নিমস্কালিক্ষাঃ বিধানগালিখাঙ্কপ্রথমাধ্যায়॥ ॐ নমস্তথাঃপুনমস্কা
১ ঃঅঁম্যমংগলসুৰমহনে। মংগনকশ্রীনিবা ঃমহূনধম্মামাপদৰাৰদ্ধা। নজ্যযালিখনাকাৰ্দ্দৰগুণ স্তানস্যহক্ষিনঃ ১
ঃথধৰ্ম্মগুঞ্জঃ নিত্বানপ্রাঙ্কণাজুনিমহানপা। ঙ্কলীপ্রতিত্রনাকস্যকল্যানীনিপ্রনিশ্রনা। সনক্ষাঁতথধামাসগৰ্দ্দক্রামর্থঃ॥

ঃনিনঃগনকঙ্কলানিগাৰাৰাক্রিঃ ঙ্কবিধাৰক্ষিসস্বিষ্ণৌ। যঃথৰহৰ্দ্ধগৰ্কঃ কস্যাত্রিবিধিৰক্ষ নঃসনিথেৰনক্ষ্যাধিপ্রৰ্য্যধনিগাথাপ্রৰঃ
ত্রিৰ্থানিসাগাগঙ্গুঙ্কলিঙ্গেনস্যাৰ্কঃগাকসা॥ ঃপুষ্পগুল্ষিপ্রধানাৰ্বন্দুৰ্দ্ধং হূঁকয়প্তঙ্কাগম্বিঙ্গলিঙ্গেপ্রপুনামাবাঙ্কলা:
সুনিগজিনী। নম্বিনৰনদালিঙ্গেমহিঃ ঃমীনস্যৰূপনপ্রসুনাকমলাদ্বাৰদ্ধিমাক্ষুপ্ৰৰ্মসিনা। নিথেৰ্দ্ধপথদ্ধা
ঙ্কস্যতাপ্রিয়াণিগৰ্দ্ধামলনিঃস্কাস্বৰ্দ্ধজালি ঃণীনামপ্রপুনাকৰ্ণকাস্থকা। নস্যানামাসিদ্ধলাৰিধিগৰকিঃস্বস্থামঃ
ক্ষিতঃবিজ্ঞালিঙ্কাপ্রাঙ্কমাঙ্কত্রিযানীশুঙ্ককপ্তা। প্রাসাসুগাগুৰ্ত্তাপ্রীতমসুপ্রাপ্তিগনিকাকালনৰ্দ্ধক্ষকানন্তৰ্দ্ধগাসা

[illegible]

[illegible]

ह्रि [illegible]

१ [illegible] १

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुबन्धिया थीअगनुपाल नुमात्रिना। स्थूलिमन्यास्थकाढिप्र नाद्वपयेका सुद्धा॥ द्रुमुस्य नका ला काय प्रामय नहूनवी। गिरा:
गजा समागतः नेनामसहस्रं त्रिकिः॥ : ॐ सुपुवः नथाद्वाः गौ हृष्ट समुपासना। नन्दपुवष्टं यसमुथाथ्रु:
१ नंकसी ॥ तथावं प्रयाविशर्हस्याप्रवान : : थान्या। डन्निस्तन वलिथ नागिम प्रकवधावद्दः श्रीकनावीविनानीनः १
१ दन्तसङ्कं कालिदानवं। प्रनस्मिन नथवदथ: : वकाढिगादवर्द्धकिः। डियनका वंपुष्प हृष्टिप्रपानगने नसा सुहि। गुरू
निश्चुलिवकालिंगद्दाद्दानाधिपा यन तथा नर्या वसन्त वै काशि हिला कास्तु हि श्रिमानी ध नुः ॥ विजयलक्ष्मी नना ध्वी स्म लक्ष्मीवर्य

:दैवा ॥ प्रनिनवानदूलिंग पादवपदमस्यश ॥०॥ गदाल क्ष्मी उवान ॥०॥ कालामुनवपाथी यज्ञवकागृत्विवयं गुणि।
:ननिगन्धिमादविकाहूदं तु नानु त्रिद : गाद्विष: ॥ देवीकाव्यम पास्मानें मनाद्विपनं। गद्दन् । अस्माकं:
:यसनकालिनद्रः कामाद्र कंगना ॥ : ननिः त्रुधे वा गुं निर्मो ० यु प्रथीप्रसमं ज्विन। कल्या नापी दुवाश्च
:यः सनगो। वनवधा नि ॥ ०॥ न्य: का : प्रलिथी दृष्टी दवी का दम्भु पा कम्भु ॥ ०॥ ०॥ नेगालि वाकमा
:लिङ्गवनमहात्म्ये हिनीयाध्यायः ॥ — ॥ अथा वेदनमास्ताय। वं घडी वेदगालिनी। द्वीकाश्चथा :

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

৬ [illegible]

৮ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ० ॥ [illegible] ॥ ० ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ० ॥ [illegible] ॥ ० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ১০

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

।ନଦି ଶ୍ଵସୁ ଶଦ୍ଵେପଃ ।। ଦେଵନିଂ ପୂଵନ୍ଦିନ ଣ୍ଡା ନନାଦ୍ଵାନଵକାଟଯଂ କାଲୀଂ ଗୁହ୍ଯାତୁସାଂ ହ୍ଵଵାପାଦେଵନ୍ଦି ସମନ୍ତ୍ରଃ ।। ଶ୍ଵଥାନୀଲିକି :

:ପ୍ରିଂ ସାଲିଵନ ସ୍ଥସ୍ଵନ୍ତି ଃସ୍ଥନ୍ତିଃ ତନ୍ତିଃ … ସାଲୀ ମହ୍ଯକୀପେଵକାଵ ହ୍ଵିଵିଵନ୍ତିମଃ ।। ନ ନାନୀ ପ୍ରିନଵଂଶୀନଵୀଲି :

ଶ୍ରୀ :ସ୍ଵର୍ଗନଥାପଗଃ ଅହ୍ରିସ୍ତାଦ୍ରନଵଶାଵକ୍ଷ … ହ୍ରିକୀପାସ୍ଵନ୍ଦଶାଁ ନିହ ।। ଵଂକାଲସ୍ଥାମୁଦ୍ରାପାଁଧାପନ୍ତ୍ରସମଥ୍ରମୁଦ୍ରିତାଃ ୨୨

୨ ଃଲିଙ୍ଗପିଗଲିଵିକ୍ରାନ୍ତଵାସ୍କାଲିଵହିଃ … :ହ୍ଵକିଃ ।। ସ୍ମା ପ୍ରିସଷହ୍ରିଷ୍ଟାହାଣ୍ଡିଵଶାଁ ନିଵଃ ଡଵାଵପପର୍ଵଂଵାର୍ଥି

ଃଜସ୍କାହୀଁ କାଉପନୁଣ୍ଡଵଁ ।। ଗ୍ଯାଗସ୍ତୁହ୍ରସ୍ଥ ଲିଵନପ୍ରକଟୀକୃକ ହ୍ରିକଶାଂ ।ଦଶ୍ଵାହତଯା ମହିଷ୍ଠକଦ୍ରପ୍ତ ହତିତାମନଂ ।। ପ୍ରପାଣ୍ଡୀ

:ଵାଷ୍ଟ ନମଥତ୍ରସ୍ତୁପନ୍ନାହିଁ ଵିନସ୍ଵଵଃ ହ୍ନ ସୀସନିକାନ୍ତିସପାନା ।। ସ୍ତ୍ରାକହ୍ଵିତଗୁପନ ।। କାଣ୍ଡିତୁଗୁହ୍ଯାଵାକ୍ଵେପୁନଥାଵାହ୍ଵ ::

:ପ୍ରଵାହୁପୁ ।ପାଦପୁମଧ୍ଯଦଃ ଗୋପୁଦ୍ଭିପ୍ଯା … :ଅଶ୍ରୁପୁନୁ ହ୍ଵିମଃ ।। ସୀସା ଥାଵଵମାଗୀମପଥାଵକିଁ ଵସ୍ତାଯୁନାଂ ।କାପ୍ରିତ୍ରଃ

:ଷଣିତି ।ଥଵାଵାସ୍ତାଦଗାପ୍ରିଂଗାଜିଶଁହିଃ … :ଯା ।। ତ୍ରି ହ୍ଵୟାଵସ୍ଥ ପ୍ରିଵାତୁଵଶ୍ରୁ ଵିଶ୍ଚ ପଦାନିଵା ଗଞ୍ଜି ନାଵଲିସଁକା

:ସାକ୍ରିଲ୍ଲୀ ନ୍ଧା ପ୍ରିସମହ୍ରିଣୀ ।। ଗ୍ଯାପନଁ … :ଗୀକକା ଲୈ ଦସ୍ଵାତ୍ରମମୁସାସଯଃ ଅନଵାଦକାଲୀକଯାନ୍ଧଗହିଂଗୀଗୁତିଃ:

ପ୍ରିଵିନିଃ ଥାର୍ଣ୍ଣିଶ୍ଵଗାଦଶ୍ରିନିଂ ନାଦ୍ଵିଂ କୁମାଣ୍ଡୀ … :ଶାପହହେପନ୍ତ୍ର ।। ପନୁଷ୍ଟକାଵଣ୍ଡାଂ ପ୍ରିଶ୍ରିପଂ ଠଜମୁକ ପ୍ରିସ୍ଵନୀ ।। ଗଗନିସ୍ଥ

:ନଯାଗାସମାକ୍ଷିଲି ସ୍କୀମହାସ୍ଵଙ୍କଃ ତପଦସୀ ଜିସ୍ଵଦଵାପୁସ୍ଥହ ଷ୍ଟିମୁଯାଭ୍ରୁହ ।। ଦଶ୍ଵାସନଗାନିଁ ମିହୁସକଟା ପ୍ରିକିତମେକଃ

:କଥନମାଦ୍ରବିଦ୍ଧଦେବୋଦ୍ଧକପଥଶ୍ମିତ୍ରଅଞ୍ଚନୀ।କତ୍ତାଦ୍ଧବାଦଗଶ୍ଚନାନାମନ୍ତ୍ରାମନ୍ତ୍ରଧାନଥଂଶଗନ୍ତବାଚିବଥଂଶ୍ରଷ୍ଟଦେବୀର
:ଉମମୀନନଂ॥ନନଂକାଳୀଗୁହ୍ୟାଖ୍ୟାମିଂ:: :ଦ୍ଧିଷ୍ମୀବାଥର୍ଦ୍ଧବାମଲୀ।ଖିଷ୍ଟଦ୍ଧନାଂନଦାଦ୍ଧିଖାଦ୍ଧପବାଚିବଥିଷ୍ଠି:
ଗ :ନାଦା।ଦ୍ଧିଷ୍ଠମାଛିନ୍ନବନ୍ଦାଶ୍ରୁଷ୍ଠିନବଦ୍ରା :ଶ୍ରୁଷ୍ଠିନୀଦ୍ଧିଷ୍ଠିନହୃଦବାଂ।ଦ୍ଧନମାବଥିକୀଶ୍ରାନାଥାଧାୟନ୍ତୁମକ୍ଷୀନଲୀ
ଛ :ଜ୍ଞୀଶ୍ୟାପାଦ୍ଧନାମଧାଣଦାଦ୍ଧିଦ୍ଧନାଧଂ :ଶ୍ୱ।ଦ୍ଧିଷ୍ଠତାଛିନଫିନାଶ୍ୱଗନାଥାଦ୍ଧାଗନାନଥ॥ଜ୍ଞଶ୍ୟାପଦାନଥ:: ୧୨
:ସ୍ତ୍ରୈବଦ୍ଧା।ଣନାନିଦ୍ଧିନାବନ୍ତୁ।ଜ୍ଞଥଂକାଳୀନମୃଥସ୍ଲବନନ୍ଦ।ଥାପଦ୍ଧି।ମୁକପୀନନଦ୍ଧୁଦଥନାତଶ୍ରାମାମ।ନିଷ୍ଟଦଂ:

:ନଶ୍ରଥାନିଷ୍ଟ।ଯୌନସ୍ତୁଗୁହ୍ୟିନାଦ୍ଧାନଖାନମଂ।ନଦ୍ଧନମମଗୁଥାଗଂଡୁଖେଲନାଦ୍ଧାନବାନମଂ।ଦ୍ଧଦ୍ଧିଗୁଷ୍ଟାଶ୍ରୁଦ୍ଧିଗ୍ରାଦ୍ଧିକୀ
:ଲ୍ୟାକ୍ଷାଗ୍ରବଲୀଖିନଂ॥ସ୍ତୁଦ୍ଧିବୀଦ୍ଧପେ:: :ଧାମାମଦ୍ଧନ୍ତୁଧାଶ୍ରୁନ୍ତୁକାଳିକାଂଥମାଧିନଂସ୍ତୁଖିକାଦ୍ଧମ।ଷନାଯୈ:
:ଲଧାନିନାନାଧବଦ୍ଧଯସଂବାଧଗାନାନ୍ତୁବ :ଥାସ୍ତଂଗାଗଦ୍ଧାଗନୀ।ଧାଦ୍ଧପ୍ରଦାଶଣନନଂଲିଷନମାମଦ୍ଧା।ଣ୍ଡନୀଂ॥
:ଦ୍ଧୁଦଥୀନାଉଶ୍ରାମାମବବାଲଷ୍ଟଥଶୀନଦ :ଗ।ଷିମଗୁଦ୍ଧସ୍ମମନଦାକା।ଯୋନାକିଣନଦ୍ଧିଣଂ॥ଗୁହ୍ୟାଖ୍ୟାକେମଧାଶ୍ୟ
ଚିଂଷଧିଷ୍ଠାନିଧାନିନଶ୍ୱନଥାନିଦ୍ଧନଂଦଷ୍ଟାନଗବିଦ୍ଧାନଖାନମଂ॥ଧଲାଧନଧବାମଷିନସ୍ପଦ୍ଧିବିଦ୍ଧମୀସ୍ତଥୀ।ଦ୍ଧସୀଥନାଂ:

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ता १९

:मकामाअथालेकपीनमाक्तुनाष्टथवीकःयनकिअवायुमाकाशकपिनीदयाकथपमादवावालेकपीनी
:नेमीस्तुनाकुलोकलेनिवथाय::: :वालेमथाकनीस्तुनानहंताजेयथुनेनालथाकदाहिनिमानो
:नेमः॥ ःनिगालेथाकेम: :हालेक्षीगमहाणगाथासुविधपःअनाहंगोनागपंवमाया:।१
:थः॥ ॥गालेवडवाथ॥ ० ॥ :नेनिःखाथपगमाथायागनजगवणदुष्कृहिनी।सगा[illegible]दगकाले
:खःकालेथुनलेनिवाषिनिः।नथपदेवनहिजुर्गगामाथमहानथा।देआवनानालेखानिमाहिपादगकाठ्या

:थंकवेमुहाआनिवकवाअगनःदेथं।धुगथलेवेणंपवःमथिगलाक्षेविवदथं।अववगादीनानदाकिय::
:नेवानीवेलानिदे।निगषुत्तुगहा देशावहिगनुशुअम्भिनेशावनहंकवप्तिदिदेअवनगनाहः:
:विकंवलिथमगुदेलिहलीपक्षीपक्षा :दथनिहिजलिं।नदाकठथामाहदेषीमाकोष्टिथषिहिः।
:नेकलिस्मगवादेमह्युकवायु: :था।।पजनयनंजदर्थंनदशाहावजक्ष्वहिना।जुकःकेलीक:
:मामीवमहालेक्षीमहस्वमीआलीहावमिवजानहिवाविसावथंनंपजयनःअंगधनीमहसामीथहिकि

[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

श्री

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
ग [illegible]
६ [illegible] १८
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
थ [illegible] २०
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ত্যা॥ গং। যেহূ থৈ স্থ নে অ দ মা লা। ক্রিয় বিষ্ণু বিকা। গ ন ন ক হ ল কাং হু লা। ক পূ বা গ ক বৈ দ ন। গু ষ্টি কৈ প্র ণ তা দ ও ন:

:ক্ষা স ধ্ব থু নঃ থ নি ক্ষ দ ব পি ক্রি ব্র ষ্ক :স দ্দ জ প স দ্ব গু হ্ম্ম্ ক্লা॥ ক্রি যা ক্রি ব প স থা ক্রি শ্র গা য ন স্থা কিং নি:

থ :অ স্ক থা ঃ। যু থা হ ষ্টি ক্রি বং গে শ্র ব ব :পৈ প ব শ স্থা বি॥ এ ধ্বঁ সং পূ তি নী গা। গা প্রি সা দ প বি গা প বা। প্রা হ:॥ ২১

ণ :প্র সৈ ন পা না গা পা থ্য তি প্র মূ থ্বা সু না ন্টী॥ ০ ॥ দ থ্ব দা ব॥ ০ ॥ ব সং ঢ নী খ্ব না দ বা যু ষা কং ব ব দা ম হ থ

:স্ব কী যা থৈ প দ্বী থৈ ঞ্চ অ দ্বং মী ন বা পি থা থ্য ষ্ম॥ ০ ॥ দ বা ক্তি হু॥ ০ ॥ প্র লা ক্ষি দ্বু ষ্ট দ ম নিং ক স্ক বা ঞ্চ স্থ যা। যি না। ম ষ্টি দা

:দ্ব ব দ থ সি স্থ বা থ স দ্ব ব থ্রী॥ প্র ন য থ্ব কা ক্রি থা গি ন ব ক স্কা সু থ শ্ব শী। কি থা মা থ থূ থ্রী সা প স্মী প নি পা ন প দ্ধা ন পঃ॥:

:নং দা নি দ দ্বং তী থি থা সা থা যা প ঞ্চ স্থ কি লি স্রী গো থ তি দ্র দ্বি পা নী ঞ্চ ক থ য থ ম দ্ব স্ব বি॥ লা কা নী ক্রি নী কা

:মা থৈ ক্রি দ্বি দ্বাং দ্বী ক্ষ পা ম থা ঃ। স নি ক ক্ষা দ হং ক হ ক দু যা প্র ন মু লে গং॥ ০ ॥ দ থ্ব যা জ॥ ০ ॥ প্র বি ম হু ম হা

:প্রা হ্ব দ্বং গী স গ তং ম থা। দ্ব কং থ্ব ন প :তা কা থৈ থ দ্বা থূ থ্রী স্ম, ক্রি থা কি। সু থৈ প্র স্থি তি লা কা গু প ন হু হু গঁ

:গ সং দ প্র না প প্র ব স্লী পৈ ন থা বং দ্র শী থ্য ন॥ গা নু প কং প গা স্থা প্র ঃ জ গ নী ক্রি ন ক্ষা। স্থ যা। ব ব ম হু নি মি লি স্বা।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

थ [illegible]

ह [illegible] २३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

:कोटीमहादेव्यः प्राणप्राण्वाद्विकं विधिः॥ निष्कलं जनदेवासामस्त्रा निमहानिष्कलं॥०॥ मांप्रानुप्रणवाँ ब्रतप्रभीहाक्षी
:मगाख्निता१देविद्याक्षेसूमासामगा: लिकाप्रतिमालिका॥ सावार्थ निष्ठं न छिनी ताषंता पिचुमहेसि।
थ :समाख्यिता१देवित्राक्षेसूमासामगा :विदः॥ आदं गीमालिकादेव्याप्याक्षेतथा हदंछिजः॥ जिनं थवदः २९
ष्ठ :प्रियप्रियानिसाप्राक्षाणथवप्रमदा: ॥ प्रियप्रियाणियाप्राक्षाकावणः॥ ० ॥मालिकापाद॥०॥ विधक्तं कुसुमा याणं वमाहनिमगं ततः॥ मधूलिपाणं हृदं
क्रियाणि: तपिसावक्ष्याकावणः॥

:नीहक्षा क्रियाणिताश्चविः॥ लिताद्यपाणिताहूमागुल्पाल्पाकहताहसं।वणिकावडगमक्ष
:गंपनिहुंडंनर्थं तेताकनिवावित्ती।सव :स्मालाति गंकाण्डुं पद्मपत्रमितितनिः॥ विद्या
:जिमती विणाःक्षमवहक्षापाप्राप्रतिगा: :जियाक्षिमशावणः॥ पंत्रवीक्षेत्रमहांगुंडवन्द्रांहं
:स्वरूविनितीत्रमत्नीहाक्रिहिक्षाययन।नं :दृष्टानीनस्याकाणीमत्रावगाहस्यापागताः॥ ह
:कणियतीं॥०॥गालिपाद॥०॥महादेवीविलिपाथः काजानिवगुपक्षिताः॥ हृदानं विनिपदक

:श्रीद्वस्मस्वीजनि।।कुत्रिःलेषजिगामानुसम्बूपःसालिसा।लेवाद्दनःनानिवक्ता।मवनेयुकवदाङ्क
:थमष्ठुग्रनगजलिवंणावाष्टकिःथूता ॐत्रिजिद्दियवविग्मुस्थवद्दजिष्टकिःावषुयाग
थ :निर्गलिं।प्रपानिषुकपीसमदद्दावाल्ली :मस्वंत्रिनी।।पवयःप्रदमामाटुलवदाङ्कानिष्ठ
कि :द्दिनवीःववाद्दायलुगुकेणः।।मूलोः :थाद्दंद्दनंनस्यनवल्ली।वीप्रवर्जिनीःवनिनःमय
:नोमवःपाजपःववाद्दिंनंथाथःसकुवास्तुमङ्काववाःवनाग्रमानानवस्तःपर्वनमसम[illegible]नन्दःः

:जवदमानानादवाययप्रनावदिःयननमागेनवाजासोसुयंयायवविस्त्रिनःानन्दनमागेनवगे
:मद्दाकिदिवविद्धव्रद्दर्दवलीकावाद्द स्निनस्वाजिप्रगनिः।।द्दिद्दकविनलीनमाद्वुर्वकिंविनद्द
:मानापनप्रमस्वनुसर्वजिन्यवगनिः।।द्दु :मावानिंद्दसमाक्रमायस्वद्दगनेमनावयानगिवावाद्दावाद्द
:मागनिजपः।।मन्यज्लोकिजिनलनिस्तः :स्कुःनिमवोडुमःथप्रवाकीमहथावावानानिवगाग
:नावीक्वनक्वमयद्दुवानिकुलद्दपःयमानाद्दलमावावयक्रुमसुगेनमंयुतःाद्दुगनिनवाद्दकुलेय

[illegible]
[illegible]
थ [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ःसावनङजनिकांघृगा३किद्रुगावमकात्मायांनंकस्यकाद्रुगं।एकद्विस्रमाद्वं।आद्रुआंजिध्यनकाव्रनः।।व।।कुध्यायाद्य।।०।।
ःस्यागकंनमक्षाव्रघृनियधिघावपावग्रः। व्रनद्रुग्रामक्षालिक्षीयस्यायायामिद्वंडगरु।०।।मिनकाद्रियद्वयुग्यामावंकं
थ द्रियनगध्या।कथावंकंद्रुगत्रयवङष्याघृष्मा। व्रंनवयदु।।ष्माकनसंप्रथमकावदुमङ्काधाधानिधाउमदानथेघावसघाकी २८
६ क्षिक्रुयाध्युङनिवयनंसाध्रुत्रयाउमाकिकः ःकिक्रुवाग्रुथियःध्याउमवद्रुःमकंकमाकंद्रुवध्यायाद्यावाकृमुलद्रुदकि।।
स्रियस्वथकघ्याथियामधाक्षाविडथ्रुः ःमर्वलक्षाविश्वलक्षाद्रुर्वलक्षीम्लथेववः।।याडलिक्षीमउलाकीगृकलिक्षीन

ःथेववा।वनलिक्षीयानलिक्षीलक्षीसंगानिगोविवा।कथलक्षीथद्रुलक्षीवृथलक्षीनथेववः।थनिलक्षीक्षालिलक्षीमावा।।
ःलिक्षीकथेववः।प्रनामायाघकावंवीमद् लक्षीयवमध्वी।कंदृनीयायघकावंवीकावियानकीकिनी।।वाक्षिः।।
ःनीद्रुगवर्वयामाधावीडेनिकध्यअन्यथ धूर्वथाग्रथिविधीयाधूलिनंद्रुकःमाधूदस्यपानिगत्रानिनामायकवः
ःजाद्यवि।दूर्वविकानिवृथानिवृथेगीवूलि मववि।।गृंतद्वकवधिषानिधीयकाडेनमवविःथनामांगविवकलिधं
क्षावीयाथाकजपवं।।गम्रुंडवंधचवश्वकिमालिवंवृलिसंकवक्षं।।धिषंडक्षाकिर्याकवावंद्वयाधक्षीयथक्राजपवर्वथि

[illegible] ନୀନୀରାଜିଥ୍ରୁ ମୀନି ଦ୍ରୌପଦୀ ପଦ୍ମାବତୀ ଦ୍ରବୀ ତ୍ରପା ବିପୂଜୟ ସ୍ମାମଦ୍ଧା [illegible]

ଥ ଯଶୀଗାସାଙ୍କ ଥାଗାଗୀ ଯ ଖ୍ୟାତିକ୍ଷ୍ମୀ ତ୍ରିମ୍ରି ହ୍ରିଜିଃ ଶବ୍ଦ ଦ୍ରୂନୀ ଦୂପ ନୀ ଶ୍ରଦ୍ଧୀ ବ୍ରଂ କ୍ରମ ମକ୍ଷଣ ନ ଥାଦୀ ଯେଷ୍ଠ ନିନି ଦିକ୍ଷୁ [illegible] :

୨ ସ୍ୟାଗାନଙ୍କ ଥା ଦ୍ରିମିଗଂଗଳି ନିଶ୍ୱାସ୍ତି ଗୀ :ନିକ୍ଷିଣ ପ୍ରିବାକ୍ଷୀ ଃ ଅଦ୍ରୀ ଦ୍ରବୀ ତ୍ରିନ ଲୀଳା ଧ୍ୟାନ ହୃଷୀ ଅଦାଯ [illegible] ୨

[illegible] ଦ୍ରବ୍ୟ ମାଗାଜ୍ଞିନ ନଗାସ୍ଥାଗ :ଷ୍ଟ ଦ୍ରବୀ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ଦ୍ରୁଗା ନୁଶିଶ ନିଦ୍ରା ଅଯ ଯି ପ୍ରିହୀ ଗମ୍ୟାଗ୍ୟା ଗ୍ରାଯ ଗ୍ୟାଗାମ ନିମାଗ ଶ୍ରୀ :

:ନିର୍ବାଣଗତ [illegible] ଶ୍ରୀଯସ୍ରାଜସାଗମ୍ୟ ନିଶ୍ଚାତ୍ମ୍ୟ ଶୀର୍ଷୀ ଦ୍ରିଷ୍ଟକୀ ଗାନଗମ୍ଭ ସ୍ୱମ୍ଭୁନଃ ଥ୍ରନି ନ୍ରିକ୍ଷଣ ଗଳା ନିଯା ପ୍ରବିନ୍ଦୀ [illegible]

[illegible] ଶ୍ରୀ ଅନ୍ଦେବ ନୀନୀ ଯଥା [illegible] ଯିନି ପ୍ରଥା ଯଦୃଜୀ ବଗ ନଗ୍ରୟ ପ୍ରମାକ୍ଷି ଗୀ ମାନି ପ୍ରାଣା ଥା

[illegible] ଦ୍ରୀଥାନାମି ଦୃଷ୍ଟନ :ଥନ ବ୍ରନୀ ମିଦ୍ଧ ଶ୍ରୀ [illegible] କିଶୁ କିନୀ ଶ୍ରୀ ନପା ସଦୀ ଶ୍ରୀ ପୁଶୁ ସ୍ଥାନ ନଦ୍ରା

[illegible] ଶ୍ରୀ ଗଣନ କ୍ଷଣଃ ନପୀ ଗୀଶ୍ରନି :ଷ୍ଟ କ୍ଷୀ ଶ୍ରଥ କ୍ଷୀନ ଗଞ୍ଜ ଥାଥ ପ୍ରକାମାଗୁ ଷ୍ପନାକ୍ଷି ପ୍ରବହି ଗାଜିପ ଶୁଦ୍ଧି

[illegible] ଅନ ଶ୍ରୀମଦ ଦର୍ଶନ ମହୀପ ୧୧୧୧୧୧୧୧୧ :ଷ୍ଟ ଦ୍ରିଗମାକ୍ଷ ଶ୍ରୀବନ ମହାମାନ୍ତି ନା ଅବନ୍ତି ଗାମାଦନ୍ତି ନଗାନ

[illegible]
[illegible]
३० [illegible] ३०
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रणोद ॥ उद्धृत्याधिष्ठ्यं गोदं माहात्म्येन वाक्यफलेन सप्रपञ्चानुपाक्षान् सं पूर्वादि तत्पदं स्थितं ॥ अथ सः कालकृष्णं प्राप्य महाकाल...
ति श्रीकृष्णलीनाम पदं कमाकृत्या मा सम्पूर्णति ःख काला कृ प्रवाम देव्य नः ना गन्ध स्या क्षिका । प्रदेप थामाम नैथानकुली
ल्रि ।कृतीदेनवं । निकिला ददाति तथा नानिशाश्व ःखाउमनास्थितः नाि दृष्ट्वा मानवं प्राकृथ नीं कृमुदिगुणावद ॥ ० ॥ वदृश्वा ३२
द्वि ।स्वावा ॥ ० ॥ पश्य गानि क्षिप्राप्यागमाकृपत्रुमा ।गना प्रयाना स्वप्राजिनानुनं महाकालश्री प्रतं प्रति ॥ जनुसाक्षि गमानि
।स्वामिनं पशुं दिवं । नत्र देवी महाकालश्री प्रतिष्ठाय नृपादिका ॥ नत्रानुपजिश्वामथामा स्वायवद्धकाग मौणा । विदगा

।श्रमानि वं मैं तन नाथकीं नगुप विश्वाथ महाकालश्री प्रतं प्रति । आकृदगदगमहादथा महाकाला वमाजवन्ती ॥ ० ॥ नानानावावा ॥ ० ॥ द्ववि
।यशौ प्रनाथ वनगुनानथ्यप्रमाद नः महाकालश्री प्रतं प्राप्य नवक्षिप्य श्रियाम ह्वा । आकृमग्री पिमथुक्कं गुप्रषाडम निर्गमं । पाहिमूलं
।प्रवप्रथवृ द्वमा कलवकः ॥ ० ॥ आकृदवीड वावा ॥ ० ॥ जाक्षिम नदिद्दं सुत्रं काय भक्तिं प्रथानतं । विलन पथ पवी वनकि ।
।पश्यानि नी । प्रवं तवा आकृदवीप्र हिथा गाम नकृमा श्वसीपाय स्थाप्य विक्षपनिश्चपा पिहिमशुवा । ० । नागालिश्चावा ॥ ० ॥
।नश्रीप्र दविवित्रमनां पालि दवीमथीशुनं ॥ हृदि विजमसमायनं पनिनं वीजनं नथा । महाकालश्री प्रतिष्ठ पश्य पिडिंविजनं आप्तनं ॥
नप्रसूत्रं मोषपात्रां गृहात्म गामाहात्म्य मायाक्षि कावर्थं नद्रसमाहा प्रनक्षा गनि । गाह्य श्रामा...

लि [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ३३

[illegible]

[illegible]

।প্রতিশ্রু ভিমনীক্কাদি নতবা যনিমত্তন ধ্রিনবশ্রুমদালক্ষী নিনাশ্ববত্তমদ্ধেথা।মধীবশ্বদ্ধমেঁথুক্কা পুষ্পধুথা দ্বাকং চেলৈগাক্য।
।কাথামানিষ দেঁকানিনিঁব্রতপ্রকাথনলেন কেলিস্কংথনাকা দ্বিমানাহৈতকৰ্ম্ম নিথনঁনাত স্কীং ঃবনাতিথক্তীং॥ ০ ॥
লি ।গালিথাবাঝি॥০॥কুথঃবাচনিবদূথাকুব্র ।নিক্ষাত্রিথনকথেঁ॥০॥বদূবতাবাঝি॥০॥এক্কাকিনিয়িমবাগ্রথন্সাকিঁনিধাধি ৩৭
ঙ্গু ।থাকি॥০॥কাত্তাথাৱ॥০॥গুন্সাথযক্ষা। দ্বিথ্রুতকৈনিকনিব্রতঁবথহ্রূথক্ষীথমানাথন্সাধাগূন্সাম্মাপুজনন্নিবা।গন্ধঃ
দ্বিপ্রথক্কামানাঃদ্বিবিকঁতদ্ধিবাথকাঃবগুত্রৈবাহ্ঁস্থিনাদ্বিপ্রনগন্ধ্ব মিশ্রুতঁদ্বিবা।শ্রুঃ কিনথাবদবগুধাগতামনগধাঁপ্রনি।দ্বি

দ্বিবাথপুজবক্ষাদিঁতক্ষিনবাপুগাত্রতত্ব্রা দ্বক্ষা বিশ্রুণাখাদত্রভিপ্তাঃক্যোস্থিত্বাম্বথাংক্কত্রগন্ধদ্বিপ্রথচ্ছঃগঁত্রনাথবথদ্ধ
।দিক্কা॥০॥প্রখুবাঝি॥০॥নিদ্বানত্রনমস্কা ।বথ্রুজমদ্বথক্ষাগমাক্ষিঁত্রনাথেঁবস্তামিবাক্ষাক্কনাথ্রুনাথ্রুনাথাক্ষা
।দাথকগিজাঁধূলেঃগানাচ্ছলিমুখাক্রনেঁঃ ।থনিঁমঁনাদ্বিকলাদ্বিগাথব্রনকাদ্বিকিঁঅথূনবাদত্রদ্বক্ষামানধ্রঃ
।লাগামথদ্বিতঙ্গমাথ্রুস্বাপুষ্পতঁদ্বক্ষা মিকাথপুদচ্ছলী।দ্বিঁবদনব্রতঁদথাকক্ষাক্ষনবমিথাকা।গক্কার্ঁ
লোষ্টিতাদথাপ্রথানাপ্রনমুলগঁ॥০॥নথাক্কবাঝি॥০॥ক্ষামিনাপুজথাদক্কদথুহ্বাকাথদ্বিলঁদ্বিলঁ।গনঁগমাকীদ্বিপ্রমগ

ववाव मागना ॥०॥ गालथाव ॥०॥ जुथः मिस्पष्टिनीं दवीवलिनामा मिविश्रुना । मिणकम्पिकना मिस्ताद्धाउ नमूवस्थला । मु
श्री शी प्रमागम्यनीयक्षादर्शथामामसमामना ॥ मनस्वाथाकुली हूनाकावणीप्रकमिपथमि । द्वाधिष्ठद्गसाद्धवीजवः
नाक्षि द्विनागना । किंमथूनाकावर्णस्याज्ञः द्वदस्थ पिमजिनः ॥०॥ मंस्थवाव । ग्रथनीद्विकल्याणीकथाकश्रिः ३१
द्वधाम्यहं । प्राक्षणसद्विधादृष्टामममागः श्रिना ॥ ना श्रीमाद्दवमाक्षाथः कुत्र गच्छ मिगच्छनः प्रथाद्दना श्रीमः
मेथूनामिवेदक थामिमाथ ॥०॥ मप्रिक्कवाव ॥०॥ ज्ञागनामपिवा विप्रा दृष्टा नाक्षा दमानसी । दर्शथामास विथेला नागं

किञ्चनानिथा । जुश्वाकवंपकानानीमंदावशागकसम्बत्र जुनकः पुष्पजानानिगंधाधापाक्मला निथ । दक्षाथनिमना क्षुदः
शानि मिर्मलिधा क्षिकिः नक्षिनवमकाद्धः वीनिंवदृक्तनल श्रिनां । उपगंथमनिमाद्दपृष्ठनीं गनिसाद्दवाद्द किंवि
विक्षिथविवीद्ध विगमालक्षीप्रनाजमः ॥ किमप्रदृष्टधनद विप्रोक्तमिस्त्रामिनद्वदःशाक्षानं किमधिदथालक्ष्मीथाना
मिनानिना ॥०॥ मसूक्षवाव ॥०॥ थाक्षावः मनिंदक्षांः दमामूनमाक्ष नांडपयश्रध्य दावाताजदाथाम्ब नामना ॥
वाक्रमिधवदृष्ट विज्ञस्थ मवाप्रश्नथनिथक्षाश्री त्रीमक्षाद्दवीमाक्षा वकपप्रश्नाविना । प्रनिक्षदृथदविक्षाहकविथ्याजदाप्रवी
माविक्षा पुप्रमथाकृष्ट द्वयाशा नथाधाश्न । क्षंगथाद्द विधानिनकविथ्यावाप्रश्नप्रनं ॥०॥ विप्रक्ववाव ॥०॥ अभ्याथपद्मा जिना वाः

९१

[illegible]

[illegible] ॥०॥ [illegible] ॥०॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥०॥ [illegible] ॥०॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ୨୮
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

॥ लिङ्गनाशु वविनाशाय नमः॥०॥ [illegible] नमः॥ [illegible] नमः॥ पुष्पं नमः॥०॥ हृदयाय॥ पूजा॥ ०॥ [illegible]

[illegible]

ଛ
୯

।ଧଗାୟନମଃ।ବିଷଦାୟନମଃ।ଉତ୍ପଧଦାୟନମଃ।ଉଦ୍ଦେକାୟନମଃ।ଉମ୍ବୁଜାୟନମଃ।ପନୁଜାୟନମଃ।କମଣ୍ଡଳୁଧରାୟନମ
।ନୀୟନମଃ।ପୁଷ୍ପକାୟକାୟନମଃ।ପାଶ ।ୟନମଃ।ନନ୍ଦିନୀନମଃ।ଜଳଭୂଗାୟନମଃ।ଗଦାୟୁଗାୟନମଃ।ଖଡ୍ଗାୟ
।ଯୁଗାୟନମଃ।କାଳି।ୟୁଗାୟନମଃ।। ।ବ୍ରହ୍ମାଦିପୂଜା।ବ୍ରହ୍ମାୟନୀନମଃ।ମାହେଶ୍ୱରୀନମଃ।କୌମାରୀନମଃ।
।ବୈଷ୍ଣବୀନମଃ।ବାରାହୀନମଃ।ଇନ୍ଦ୍ରାଣୀ ।ନମଃ।ଚାମୁଣ୍ଡାୟନମଃ।ମହାଲକ୍ଷ୍ମୀନମଃ।୦।ବ୍ରହ୍ମାଦିଭ୍ୟୋନମଃ।୦।
।ମହାପୂଜା।୦।ଗଣେଶାୟନମଃ।ବାସୁକୀନମଃ।କର୍କୋଟକାୟନମଃ।ତକ୍ଷକାୟନମଃ।ମହାପଦ୍ମାୟନମଃ।ପଦ୍ମାୟନମଃ।ମହା।

।ଗାନ୍ଧର୍ବକପଦାଙ୍କିତଃ।ନୀବାଦିନଳିନୀକର୍ମାଦିବର୍ଦ୍ଧିତ୍ରିଧାନିର୍ବସବାଗନ୍ଧବଂଶୁମଣ୍ଡପଂ।ତପାଖାୟନବର୍ବାହ୍ଣୀପ୍ରାପ୍ତାବଃ।ମନକିର୍ତିଃ।ମୁ।।
।ସ୍ୱଗ୍ରମୁଖ।ଶିବକୋଷାତସାନିଯଥାପୁନଃ।ପୁର୍ବ କିଧାୟନକୁଳଂଗଜାବର୍ମତଥିବିଗେହାଦିଲାତକାନିମର୍ଣିନିର୍ମିତଥବଦ୍ଧିନାନିବା
।ଦିକ୍ଷୁତୁଦ୍ଦିନିର୍ଧପଧୂତ୍ରିକାଗଗନୀଦିବାହ୍ନେ ।ନିତ୍ରୁକ୍ଷୀକାମର୍ଦ୍ଧନସ୍ତୁତଃଯଳିଥାଂହିକାଂ।ଦିଷ୍ଟାତ୍ରିପ୍ରଣସାଦବୀମହାଲକ୍ଷ୍ମୀମଜ୍ଜଲ
।ସାଂଶ୍ରହୃକ୍ଷାଯାଂମେଷଲିବିତ୍ତାଦୁର୍ମାଦଂତପ୍ରଣାଃ ।ମନିଃ।କାନାସ୍ରାମୀତ୍ରିନିଃସଂସନକାନିସ୍ୟପ୍ରଣାମଦନଃଦେବୀନିର୍ଧାବିଗାଧିଃ
।ବିଳାକଥିନିର୍ସଷ୍ଟାଂ।୦।ଧନାମଦାତବାବ ।୦।ତନିଷ୍ଣୁନକୁଳାଦିଧୁକଥଂସ୍ୱୟଂପ୍ରଣକ୍ଷାକ୍ଷଦଧିର୍ଯଲିବମାପୁତ୍ରିକଥଂଗ
।ନାଥିର୍ମପ୍ରକୃତଂ।ଦେବାଜିନମହାଯର୍ମିନିଗାର୍ମିକଧନା।ପ୍ରକ୍ଷବାସବନଦୀବାଲୀନଗାନମାନସ୍ୟପ୍ରଣଂ।୦।ଐଲେଦଧିବାବ।୦।

ଃଗ୍ର କୈନ୍ଦ୍ରି ଯେନ ଗାନା ମିନ ସ୍ଥା ମି ପିତାମହୋ । ପୂଜା ପ୍ରଦାନ ବନ୍ଦ୍ର ନିର୍ମ ବୃତା ନ ନେ ଥ ନସା ।୦। ଦଣ୍ଡ ବାବ ।୦। ନଞ୍ଚ ନ ସ୍ଥା ମି ନୈ ଦ ବି
ଃସାଦ ବଁ କୃ କସା ପ୍ରିନଁ । ସଁନା ଷଣମ ଥା ଗଙ୍ଗ ଃମୃଦ୍ଧୁ ଲି ଙ୍କା ଙ୍କୁ ଯୁ ବ୍ରକଁ । ଅଥାନ ଥାକା ଗ ଷ୍ଠି ନପ ତୀ ବସା ପ୍ରଥ ନସା ।
ଷ ଃନିଷ୍କଳାୟ ପରମ ଦ୍ରିଷ୍ଟ ଅଣୁଃ ସାଦ ବ ପ୍ରନିପ ତ୍ୟବି । ଃଡବା ବଶା ହି ହର୍ଷ ତା ସା ପୂର୍ଥ ଜି ଭୂ ହି ର୍ମ୍ମୂ ହୃ କ୍ଷ ମ ଶ୍ରୀ ଜ୍ଞାନ ପରା ବ ସ୍ଥା ଙ୍କଁ ଃ ୧୦
୦ ଃତ୍ରିମ ହି ମ ବ ଷ ଞ୍ଚ ।୦। ପିତାମହୋ ଦେବାଃ । ୦ ।ଡ ଯ କ୍ରମ ଜିଦ ବିଶ୍ୱ ସା ପ୍ରକଁ ମୃ ଜ ମଁ । ସ୍ୱଷ୍ଠ ଗା ନ ନିଶା ସ୍ମ ପ୍ର ଦ କୋ କ୍ଲି ଙ୍ଗୁ
ନିଷ୍ଠ ଷ୍ଠ ବୀ । ଡ ହ୍ନି ନ ଦ ହି ପୂ ନକ୍ଷ ବା ଣ ବା ଶ୍ରଦ୍ଧ ପୂ ବିଜା । ନିଷ୍କଳା ପି ମହା ସା ନ ସ୍ଥ ପ୍ର ଲିକ୍ଷ ବ ବୃ ଯା ନ । ଯୀନ ପିଷ୍ଟ ନସ ର୍ବ ପାଁ ମି ଚ ଃ

ଃଲୋ ପୂର୍ବ ସା ଲିଖ୍ୟ ନ୍ତ । ନ କଲୀ କବ ଦେଁ ତ ଦ ବା ମ ପିୟା ନୁ ପ୍ର ପୁ ନ ଥ ନ୍ଧ । ନିର୍ବି ଷ୍ଟ ନୋ ର୍ଥି କଲ୍ୟା ନି ଦୃ ଷ୍ଟି ପି ଞ୍ଚ ବ ସ ପୂର୍ଥଁ । ନିର୍ବି ଷ୍ଟ ତ୍ରି ଦାପୂ
ଃର୍ଦ୍ଧ ବି ନି ଦ୍ଧି ପୁ ମିଚ ଲୋ ଢ ହି । ମନସା ବିଜି ନିଁ ଦ ବୀ ପୂ ର୍ବା କିଁ ପ ବ ମ ଶ୍ୱ ସାଃ । ବାବା ଷ୍ଟା ଢ ଥ କୃ ଷୀ ନ ନ ଦା ଯା ନି ପ୍ର ଥାଃ
ଃକ୍ଷି କିଁ । ମ କ୍ଷୀ ଣା ସ ନ ସା ଯା ସ ନ ଦ ଲୀ ନି ବ ପ ଦ କଃ ନିଁ । ଷୌ ସ ବ ସ୍ଥା ନି ଥା କିଃ ବା ବା ହ୍ୟା ଗ୍ରି ପ୍ର ମୂ ଜି କା । ମ ଗା ମ ନୀ ତ୍ରମ ଧେ ନ୍ତି ବି ଲ ଢି
ଃତା ସ୍କା ନ ନି ବି । ନ ଜା ଧା ନି ଷା ଥା ପା ପ ପୃଷ୍ଠାଃ କିଁ ପ ବ ମ ଶ୍ୱ ସୀ ଥ ଗ ଥା ବ ବି ଗ ଯା ଥ ଶା ଜି ନା ବା ପ୍ରୁ ବା ଜି ନା । ଙ୍ଗ ନୀ ଃ
ଃକ୍ଷ କ ନୀ ବି ବୃ ଷା ଦ୍ର ସା କ ର୍ପ ତୀ ଷ ଥା । ହି ଦ ଯା ଢ ଥ ଧା ସ୍ଥା ନ ନ ଦ୍ରଁ ବ ନ୍ତୁ ହ ସ ତ୍ର କଁ । ଢେ ଗୀ ଯା ସ ବ ଣ ଦ ଯା ସୀ ମ୍ୟ କଁ ପା ଦ ବ ତୁ ଲିଃ

:নি।। বস্তুথাম্ব ব।। ভিত্র দ্বাবাহুন ল নয় বাহ্নি লম্বাত ব্যা ত্রব লব্ধ দ্রষ্টা কিকবশা ম। ০।। আবাহুল্যান্তগা বা বীদ্বথাজ্ঞ:
ঙ্কা বপ্রকী ক্লিশা .... ত্রীবগা বববাকদ্রুবং: জাগুমা যম।। পূর্বা হিন: প্রবঁগ বর্বঁ আশ্রাদ্ধঁ ভবা যিকা। যজাবঁজি
২৩ :নিবধনজকঁপাবধঁভকা।। ভগ্রবঁশী: বঁধগা স্থানি যিবঁ জীপ্রকীক্লিশা। ভূথক্ষস্থাবন্দর্বাজিদ্বথাবিশ্লে: ৩১
:স্ববীমহাশ্বোদাবীবলাপ্র হিকব্রাবণী। ত্রিদা বৰ্ণী বদমগাজ্ঞা হিনী বক থা লব্ধা। মধা পূর্ব লব্ধা মনাগুরু
:জাদবপ্রু নিশ্বত্। আব্ববস্থকঁ নন্দ্রপ্রবক্তা। শ্মি লপ্লবিরঃ।। পূর্বাধমা। ব নিগুরু বন্দ নীয দনী নিথা। ভিক্ষু বিপ্র শিন

শ্রী

:শ্রী বিবিষ্ণু হিন্দুবৃথেববী।। প্রবাঁ নকশ্র বিক্রা না। কিঁকষ্টুপ্রকী। ক্লিন্দ্রবাপ্তা দ্বিবকগাবলী যাজি বলী নথা। কুবগামাগ
:ধূম্রবাহ্নঃ শ্রেবমহাপ্রদঃ। অগুলিদ্রংষ্ট্রা: :মহাদংষ্ট্রা বগা বৰ্জনপু জপ্রহা।। জশানি বশা পবিশগ্রন্থে বিবঁ বগা। ধপঁ ৭
:করালা বিকরালা নীবগহা কালী কপালে :শী। স্বাহা ক্ষমা স্বাহা স্বধা লক্ষ্মী মহামায়া পাণ্ডু থে ববী। গোমহবী দধগুদ্ধা:
:শ্রুমিত্রাবধাবিবাহকঃ।। ভষ্প দাববিত্তস্থা মিত্রী যশা দ্বাবৰ্কঁ যি জাপ্রধূম্রঃ স্থূপ বিশব ধী: জক্রী। প্রধাযপ্রা।। গা
:গমা কিবিধা গনিবঁথা বিপ্রজথাবন্দ গা।। ॥ কৃত্য কিগাল শ্রী কং মহা লক্ষ্মী মহামায়া মহাদেবী জাবাম গাজমা নীগগ্র:
:শ্রীদক্ষিপদ শিশা ॥ ৩ ॥ গা লিখা কোধা।। ০ ॥ শ্রী গ্রন্থ পযম বিঁ কিঁবকা প্রবশা মনী ঃ শ্রী কনাশ্রা দ্বিম দ্বিপা দ্বিধা লিখা:

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

:কথকথনাযকিকিমর্কাংশাপবিধাবরূপা।নবাদৃদ্রুজিনষ্পষ্ঠযুষ্ঠাপানবধাদ্বিবি।মুক্তিংবরুঃমবিপ্রণাকাকাবাপিসূবস্থু:
:লী।মিবস্যাঃজলিমশাদ্বাথবকধদমু: :দ্বীবথন্যা।ধাবিপ্রগশাদ্বিকধপ্রগাদপ্রমাদগীতিতগশাক্লিণামা।কা:
ধ :থাবরূপাবিমনকর্বাপামতনাকর্পাব :প্রবৃক্লিমথা।প্রাগ্রাজগীমাক্লিঃবক্কপিথধা।প্রেথতনন্ত্রাজজক্রাপ: ৫৩
৫ :থন।বিপ্রো।ক্লিকাধবিবিমকবিপ্রবি :পুবাপ্রধাজবগীজবাক্তা।কিবর্ণুথা।মিজবহক্লিমর্বিলাকাপ্য।
:কালাসূপিঃমহিবজেঃপাবিবক্লিমানি।।বিস্থা।মেবর্ককণকাকণবিক্লিহক্লিগীজা।দ্বির্বিপ্রগমনপুরুবর্পঃ।।৫৫৫

ক্লিংগুণাকথযগীবংনাঘিসমথী।মাসল্যবুদ্ধিকবনাপ্রজাঘিধ্বনর্থা।।ক্লিলবনক্লিমননাজপবর্ণুথা।মিদ্বাগুপ্রশাদধন
:ধকথাত্রী।।ডনমশুনক্কালিস্কীজনস্কুগুম :ধর্মগী।গুক্কিমুক্তিপ্রধধবিনিগজেস্থিনমানমঃ।।গথা।মূজবিনাগাথ
:কাশাসীকর্পথাবিণীংধক্কিগ্রথাগর্হমরু :জনিমনপ্রিনশানিমঃ।।লিপনামুজবিনাগাথগীবর্পধসমক্কবা।কা
:লীকিলালিপদগীনিমনস্থিনমানিমঃ।।: :ধপ্রশ্চগীমবাধগীপনাপবগক্কঘিগীংমাথাবীখালিথধবিনমঃ:
:শুশুথবর্পগী।।নর্থাংনবরালক্কর্পগুপ্তঃ :ক্লাদকাগীথজপা।দথাধস্কসমাথ্যাথসাক্লামাদবগাযনাঃ।।প্রবর্দ
:ধানপ্রানাগুক্কংবাস্থসকংকং।।ঘিবর্থালঘিনালাকানপুগ্রথীগ্রমসবর্ণুনং।।জবা।ঝ্যগমাস্থ্রা।জিমনাথানদয।।

श्रीनी। प्रनाक्षा नुवनदशाकप्रवाप्रधीयथ॥ नक्षाप्राप्याचवेंचनाधानमयदतिथिमपकं। यकें निमानुहागंवप्रदलान्हना
:गीनद्वं।प्रवंनायाजतीतविप्रविपत्यक: :गायथनः।यूवीकेनविधानननकायगेनप्रवाकथे॥ ॥
ध्रु :ँ:निगालिवाक्रमकालेक्षीमकामनप्रन: :विपानाकामवतुद्दनमाथाथ॥ ॥ ॥निघिकवाव॥ ॥कथी ९९
ध्रु :विनगनीदवीविवपाकिंविथाष्टनी।थन :लंमक्रविनीवाक्नकिविप्रयथाथेन॥ ०॥गालवावाव॥ ०॥ऊधर्मी:
:नेवनंथानाप्रप्रनीयपिनकमा:पाकणेनामनवानीकंदपूलियदपदे॥ विप्रवनतयेनचा हागीसूवानतन्कदा।नीप:

:ीप्रथ्रथावलोंकपमकावलनान॥ निंवपक्विवगायंतंनवित्ता ष:संकवः॥विववावनकोगीषिया
:मापाविना॥इन॥ किमायांतहतनवर्मी यंविंघथायुक्षीह:नदंगीवकेनिवयनिवानाकनिदगी
:नी॥निवगीधानिनावूनाधनाहक॥ निर्वक्रिकं।क्विप्रमाननद्वापांयंदृष्टवा॥पिवाप्रमाडप:
:गाथमनैहष्ठाथाष्टमालवानाविनोड:थथथथथ: उनिदाववाणानयथाप्रमानिकर्विना॥कोमकथाप्रम

ଷ୍ଠ
ଟି

।ସାମଃ ଗର୍କ୍ଷ ଆସାପିସ୍ମନା ।ବନ୍ଧୁଦ୍ଧନସମାକୀର୍ତ୍ତୁ ପଦପାପସଗାହୂଲା ।ଦବନାଗ୍ରହନ୍ଦ ହିଷ୍ଠାକଦଲା ହିଁନ୍ଦଭମତିଣା।
।ଧନର୍ଷଂ ଅଦ୍ଧୁଲଦ୍ଧାଲିଃ ଘପାଲିଁର୍ଷାଲିକି ଲିହି ।ଜୂପା ନକଘିସ୍ମୁଦଃ ଧାଜଦ୍ଧ ଦ୍ଧାଶ୍ମସାହିନିଃ ।ମଲ୍ଲିଃ
।କାକୁଁ ଦନାନାଜିଃ ପଶ୍ଚାଘିଲକୁକିଁ ୦ଃ ।ବିଃ ।ସୁବିର୍ନ୍ତୁ ଗୋଧନସ୍ମମାଜିଃ କିଷ୍ଟଧାଦଃ କନଦାକ୍ଷିକୁ ଲକିଃ ୨୧
ସ୍ମିକାର୍ବିଃ ଧାଦନୋ ସାକର୍ଷଂ ପର୍ଷିଃ ।ପୁନାଗବଦ୍ଧଲଡ୍ଧାନର୍କ୍ଷ ପସାହିଗାଃ ଏଦଷ୍ଟା ଜିପାଗ୍ର ଆଧାନଁ ପ୍ରକ୍ଷ୍ଟାସାଁନସାନଦ୍ଧା ।।

।କାତ୍ରମହିସିଂଥନାଥକାଗର୍କ୍ଷ ଥୀନଆ ସୁର୍ଜ ।ବାଁସମାଜାମ୍ରକବାନଦାଯହିଦ୍ଧାନନଘିଧ୍ୟନ ।।୦।।କାମର୍କ୍ଷ ଯୀଡବାସ ।।୦।।କାନବନବନୀକସ୍ମା
।ଦାଣାନାର୍କିଁ ବିର୍କ୍ଷ ଘିନା ।ଅକୁନାଜାନବିଷ୍ଟ ନିଯା ।ନାମହିନସ୍ଥାନବହ ।କ୍ଷୀନସିଁ ଥନଘଜିନାସୁଖଗନାନଯପ୍ରଦଃ ଏସ୍ଥଃ
।ଶୃଙ୍ଗ ଧିବବିଗ୍ରନାସ୍ତ୍ରୀଯର୍କ୍ଷ ଅମଗୀଦିର୍ଷ ।ଦ ଦାଘଜିଥିବିଯାନନିର୍ଷଂ ଦଶୂଲ ହଲାହିହିଃ ।ଜୁର୍ଷଂ ନିସ୍ଥା ବିଷ୍ଣ ପାନା ଜିଃ
।ଗୀଯାସ୍ମିନବାପୁନା ।ପୁଷ୍ଟିକାନଯୁଦାବି ହାସୂଦ୍ଧାଦ୍ଧଃ ଧ୍ୟବିଜିନିଥା ।ଥହିନାନନକସ୍ମା ଜିପୁନାଗୋ ଦୃଷ୍ଟଲକିଣା ।ଯ
।ଥାଲ୍ଲୀବନଥାକାର୍ଥୀପୁଷ୍ଟିକାନସର୍କ୍ଷ ତୁଗୀ ।ଦୃଷ୍ଟାସଧନସଲିଗାଜୀ ଯାପ୍ରହିଜିବିହିଗାଧୁନିପାହମୁନୀଦ୍ରନଆସଯାନବଥଘୁଷ୍ଟିକିଁ ।ଜ୍ଞୀ

ସାଧିକେବାବ ।୦। କାଲାଯୁକ୍ତମହାଯୁକ୍ତମହାବିଷ୍ଣୋଶ୍ଚିତାଲକ୍ଷ୍ମୀଉସାପ୍ରତିଂନମନିଶ୍ଚାପାର୍ଶ୍ୱେଗନିଟଂବାଙ୍କବାଧିମୁଦୀବଅଗ୍ନ ।ନୁନଦୃଷ୍ଟଦ୍ୱିଯା
ଲେଖାପୂର୍ବର୍କଯଂଲିହଂଉର୍ବେନଦକ୍ଷିଣାଯଥମା :: ଝଟିଗଣ୍ଡସଂଦବିମବିବସ୍ଥା ।୦। ଗାଲେଖାବାବ ।୦। ମିବଶାଂଗିଲିମାଦାଯ
ନିମକ୍ଷବାନଶାଗତାନପ୍ରଥଶାଂଗ୍ରହିନଂବଂଯେଂ : ମହାଲକ୍ଷ୍ମୀମିତ୍ରିବନ୍ଧଶନଶାପ୍ରତିନଦିଦ୍ଧଶୀର୍ଷଂବଂଭାଯୁକ୍ତବଣୀଦ୍ୱିଯନଗୁ :
ଶ୍ଚାନ୍ଧବୀବିଭିନ୍ନଯଶୀତଲାବସୁନିଶ୍ଚିଲାଂ ।।।।।।।।।।।। ।ମମମୂଦ୍ଭତଶାଦବୀଲେକ୍ଷ୍ମୀହାଗାଶିତକଥଂନପ୍ରଫଳିବଦଦାନଶ୍ମିଂନଜାନକା

ଲକ୍ଷ୍ମୀତ୍ରିନଃପାଦେବମଯାନୀଶାପିସାଗତାନପ୍ରଭିଲିଠଗାଲନଜିବନନମଯାନନତାକନାନବିଲ୍ଲାପଥଜିଲାବିପ୍ରମଶ୍ମିନାପବିବଷ୍ଟିନ
ତିଶାବିଚନମାକର୍ତ୍ତାକାମକ୍ଷପାଗତସ୍ତଦା ୧ ଶୃଣୀତ୍ୱୀଚନିନୀଙ୍କନନନିତାନାସିଦ୍ଧଦୁଷାକ୍ଷଯକାବଣଂଦବିଗ୍ରଂଯନୀକ
ଷ ଥଶ୍ଚହିନମହାଲକ୍ଷ୍ମୀପ୍ରଣାଶ୍ଚଯନନଧାର୍ଯେଣ ଗହ୍ନିତା ।ତଶ୍ଚାହଗଣ୍ଡଷିପଜିବଂଯନଲକ୍ଷ୍ମୀଷ୍ଟିତାନଧହ ।ମନଶାଖିଂତିନୀ ୨୭
ତ୍ରି ନିନୀଜିନଃଶ୍ରୀଯାଜିନସ୍ତ୍ରିଯାଃ ।୦। ଯାକ୍ତ ଧଣୀଡବାବ ।୦। ତନାଶ୍ମିନମହିନୀଟାଗୁଷାବିଲ୍ଲାପଥହନ୍ଧିଣଃଯଥାଲ୍ଲା
ବିପଦନାଶାନୀତବିଷ୍ଣୁଜିମତଥା ।ଧନିଶାଗନିଗଣ୍ଡାମିକ୍ରନାଲକ୍ଷ୍ମୀସ୍ତ୍ରିତାକଯନ୍ଧକଥଂକ୍ଷପବନାନାମିପ୍ରସାଦଦାନୁମହିଷି ।୦।

।স্বাকম্মাক্লিকস্বা প্রতিঁ।প্রবস্থীত্রস্থদবিবাগমথাকম্মীবঘষ্ঠীতিঁ॥ প্রঁ জিগস্থাবধঃগ্রু তাপ্রক্লস্বাস্বাবনগনা।হ্বালিতিপূ
ষ্টিকঁথবকূনহুবিমপস্বান।।প্রক্রিথা ।থ্রাথঁথনাসাবৃত্তকা ক্ষিবনিস্ব গঃবক্লিহিঃথ্রাখমানাধিনিদকা।
।ঠনস্বাজনঃ॥০॥বনিস্বানিডবাব॥ ॥০॥বিঘ্নপিহ্রীলা প্রুতিনঘক্লাভিধ্বিঙবধি।যদিক্লমিস্বথী।
।গক্লিতিবমথান্দবাম্মহ্নঃ।খিগস্বদপূনাকান্ধবনকাবুষাভিঘদপ্রিঞবাবনদ্বথাক্লীথালাপূব্রীগনাতিষা।প্রু বি
।বিনীক্লঃ।পূবাক্রিতিকস্বাঁবদস্বীবিক্লাপথা বেথা।কম্মীনাম সাবাবাথা প্র স্মানিস্থানিধসঃ।নস্বাবক্লদদীঁ গাথি ত্ত্বীঁ গোধঁনী।
শ্রী ।ধগো।ক্লিস্বানিনিবিস্বাগাত্রাগঙবি বাসিনিঃ॥কুমত্বক্লনসাবাবীল্লকনীনাপুদঃহ্বিনাঃস্কনিগবকিত্রি।
।যাক্লানাথালাপূব্রীতিবিত্রনা॥০॥ সুক্লিগম্বাবাব॥০॥ক্রিথঁকালাপূব্রীথানানক্লিবিক্লাপথনিন।স্মাঙ্গা। ৩৭
শ্রু ।স্বাধিনসপ্রাপ্তকঁনিবাজাবসক্তুবিনাতঃ গাদক্লবিমুগনাস্বাগুদঙথপ্রস্বাবনীক্লমঃঙক্লপগম্মপ্রঘক্লদঁগানামি।
।হবিনাথবঃস্নাগনালক্ষীকদাধাঙ্ক্রিমথাম্ভিদনাগিনীঃক্ল নিঃকাধীথস্বা সালিধথতিমক্ষীনন্নীঃসবনীবনসঃপ্রাক্লি।

।ପାପୀ ପାପ୍ରକାଶିତ୍ତ।ପ୍ରସାଦଦ ବିଦ୍ୟାନପୁନବଗାଗାନୁଯା ଜିପୁ।ଅପ୍ରକାଶିତ୍ତ ଆସାପୁନସାପଦମୋଗ୍ରତଃ।ପ୍ରକଷ୍ଟି ପ୍ରକ୍ଷ ହସାବ
।ଗାଂଧବତ୍ତୁଆଦିନ।ସବଗାଗତଆର୍ଦ୍ଧଂସାତ୍ତୁ। ।ଲ୍ୟାମଦ୍ଧିସ୍ଥପ୍ରଂହତ୍ତନା।ତ୍ରାବାଥୀଧପଧାନାସାଢ୍ୟଧାନ୍ତ୍ରୀଗ୍ରମକିପିଳା।ଙ୍କିତ୍ତୁମହିଃ
ଜିଦ୍ଧବିଭିପ୍ରାତ୍ତୁରାପବମଟ୍ୱବୀ। ୦ ।। ।।ଗାଳିବଡବାବ।।୦।।ଶ୍ରୀପଦ୍ରହସିଳାଦଥାଦସ୍ଥାଲ୍ଲାବପ୍ରସଂନନା।ନବାଗୀବ
।ହିଘଥ୍ରାନିଗଂଗସାହୃଅସାଂପ୍ରଗଂ।।ନନଃଗ୍ରେ। ।ଭିମହାଲ୍ଲଂଦଥାଶାସାଜିପିଗଂଗନା।। ॥ ।।ଶ୍ରୀ ଜିଗାଲିଧାର୍କଂଭଃ
।ହାଲିକ୍ଷ୍ମୀମହାସ୍ଥିନଥାକ୍ରଦଥବୀକାଲାଧୁହ୍ନିଗଳାନାମଥଂବସାଂଦଶାଆଧାଥଃ।। ॥ ।।ଗାଳିଧାବାବ।।୦।।ଶ୍ରୀ ଥାଗଛମହାଦ୍ଧବିଆ

।ଦଥାହିଃସପ୍ତନିଆନାପାତହିଃସ୍କଲିଯାସ୍ତମହାସ୍ତୁ।।ମଧ୍ୟେନମସାକାଂନନ୍ତ୍ରାମିନାସାଂଶାନସ୍କନଃପାହିଶାମୁସ୍ଥସନ୍ତ୍ରଥନଦାନମୁକିକଂସୁ
।କାଃ।ପାପକିଂବୁକିମୁଣ୍ଡଥବବୁବଦ୍ଧିଥନ୍ତ୍ରପ ।ଗୀ।ଧାବସ୍ଥାହିଯମୁସ୍ଥନଦଶାଂବାବାମବୁନିଦା।।ଡଘଗଂମ୍ୟନସ୍ଥାନନିଃଥପ୍ତଃ
ଝ ।ଐନିକାବଶାମାଗଣ୍ଠ।ଭିନିନକାବଂନଶା। ।ଐକଥଅକାକିନୀପ୍ରଥା।।ଭିନିଥଳୀନାଲିଂବଅଦ୍ଧଆଜିହ୍ଲାପଥାନିନଃ।ଢ ୧୨
ଓ ।ର୍ଗଂନାଥଂମହାଲକ୍ଷ୍ମୀମାଗଳାସ୍ମେହଥାନିନଃ ।।ପ୍ରଗନଗ୍ରୁ।ଶାବବସ୍କଥଗନାଦ୍ଧବୀନିବହିତ୍ତୁଂ।ଯଥାବୃନ୍ଦଂନଥାସର୍ବ୍ବିଜିକ୍ଷି
।ଥାନିବିଜ୍ଞବସ୍ଥାନିସଥ୍ୟବବନଗାସାଂମହାଲକ୍ଷ୍ମୀବ୍ରଗୀନଦା।।ଜିଗାପବାପୀହସ୍ଥାସାପ୍ରନାମାଅବସ୍ଥାଜିଗା।।ନିରବାମହସ୍ତକାମେଥଃ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

।নানি ঃ॥ শ্রীগুপুস্বায়ঠাহানহাদিষ্টিবা।বিদাং।পদ্মারথাপ্রথমা।না।পিনিদশো।ননিহাবকনাগুঙ্কিগণা।ধিমহান্ ঃ
ছিপ্রা।ছিদ্বীশাগর্ব্বধাবকিনবিদ্ধানস্কাপ্র ।ছিগেঁথনবপ্রিধীকাবিদদু।আঙ্গুনা।নাঁবাপিপিঙ্কপংক্তিথাদষ্টসবদ্ধ
৫ ।শ্রীপুন্বাগীজিগনীথবধাপকর্ম্মপথা ।ছিদী॥গম্মাশ্চীপ্রনকর্ম্মপুহম্মা।ন্যা।জিথিদাপিদীশননিপুন্ধবগী ঃ ৫৭
১ ।শ্রীনানানীছিপ্রজিশালিনা।কিষ্কুধাধা ।পনক্কাশাগৃক্ষীনংবজংপিনা।ননিকম০না।জিনিমকা।জিণ্ডকর্ম্ম
।পুং।পুবিজন্মকিথাশুথানপ্রম্মুকিপদংগনা।থগবনি[illegible]স্থগীদহ্মদথালিয়দিক্কিথানা ।।থথথথথথথথথথথথ

।শুব্বাপাব্বাবিমাথাক্ষোহৃমাদকুপ্রনাগন।প্রশাদাজিমুখ্যাদষ্টনম্মনবাপুনঃপুনঃ॥০॥গালিবাপাষ॥০॥নীসা ঃ
।দথাপ্রসনননিদধানশীবিনপ্রপ্রী।পর্ম্ম ।সনানিকামস্বনীনস্বগমবাপূগাহৃ।ষ্বিবকা।থা।বিষ্টলিষ্কীশ্রীম ঃ
ছিন।কিবশ্রীনথা।লাম্ভীথননপুপ্রিক্তনী ।নিগাধাক্কথ।গঙ্কদাবনিম্নাননংকবপানবিনপ্রভূজিনং।সবিপ্রয়নিক্কি।
।সানিবধধা।নিসঙ্কবি।নিগনাবনশা ঃ ।ঞ্জবীননস্বীবিজক্কিপিনী।শ্রানথানথুনাদষ্কাপ্রজিনাজিশুভিধিপদগ।
।না।কিদেনীপ্রনসপ্রাঙ্কদর্গথামানহক্ষপিং।জিগবছ্চিপ্রগাদনপ্রনপাষ্ঠমথাধূনা।থা।দীনগাজিলা।সাধানিনিজিলী

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] २२

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

॥०॥ ॐ इति श्रीमहालक्ष्मी व्रत पर्व्व व्याख्यान पुस्तक समाप्तं ॥ शुभ ॥०॥ श्रेयोस्तु ॥ सम्बत ९३० [illegible] भाद्रपद शुक्ल ॥ पञ्चमी
तिथौ ॥ लिखितमिदं ॥ [illegible] पितृ [illegible] लिखित मिदं ॥०॥ [illegible]
[illegible] कष्टेन लिखितं ॥०॥ शुभ ॥

महालक्ष्मी माहात्म्य कथा

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार II-14

[illegible]

[illegible]

॥ [illegible] थथथ [illegible]

फ ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] थथथथ [illegible]

६ ॥ [illegible] ॥ [illegible]

२ ॥ [illegible] ॥ [illegible] थथथथथ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ [illegible] नमः॥

॥ नाथाय नमः॥ [illegible] नाथाय नमः॥ [illegible] ॥ नाथाय नमः॥ [illegible] नाथाय नमः॥ [illegible] नाथाय नमः॥ [illegible]

॥ य नमः॥ [illegible] नाथाय नमः॥ [illegible] नाथाय ॥ नमः॥ [illegible] नाथाय नमः॥ [illegible] नाथाय नमः॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥

॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ [illegible] लक्ष्मी नमः॥ ० ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ० ॥ [illegible]

॥ [illegible] ॥ ० ॥ [illegible]

ମୈ ॥ ସ୍ୱେକା ଗୃହ ଦନ୍ତା ଯା ଶ୍ରେ ପ୍ରିଚିତ୍ରଗା ॥ ୦ ॥ ଅଙ୍ଗୁଷ୍ଠାନି ନମଃ ॥ ୦ ॥ ଜେଣାମ୍ବ ॥ ମନ୍ତ୍ର ॥ ଓଁ ହ୍ରାଂ ସଦାଶିବ ଦିଗ୍ୟାନି ନାରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରକାଶ ଥମି ॥ ୦ ॥

ନିତ୍ୟପ୍ରକଲ୍ପିତଂ ପବିତ୍ରଂ ଶୁକ୍ରପତ୍ନୀ ॥ ୦ ॥ ଗା: ଲ୍ଲୀ ପୁଷ୍ପ ॥ ମନ୍ତ୍ର ॥ ୦ ॥ ଓଁ ଣା ଲ୍ଲୀ ହ୍ରୀ ନିତ୍ୟ ଗୀ ଧାନି ଶାଲ୍ଲୀ ନିବିବିଧା ନିସ ॥ ମଧ୍ୟା:

ହି ଚନ୍ଦନ ପୁଷ୍ପାର୍ଥ ପୁଷ୍ପଗନ୍ଧ ନମସ୍ତୁ ॥ ୦ ॥ କୀ ମା ସୀ ମଞ୍ଜି ହସ୍ତାୟ ନମଃ ॥ ମହୁବାସ୍ତ୍ରାୟ ନମଃ ॥ ଶ୍ରୀନାସକିଥ ନମଃ ॥

ତ୍ର ନୂନ୍ଦୀଶ୍ୱରାୟ ନମଃ ॥ ଲାଙ୍ଗଳାୟ ନମଃ ॥ ମଧ୍ୟାସ୍ତ୍ର: ବବଧାୟ ବଧାୟ ନମଃ ॥ କୀ ଭା ସୀ ପୂର୍ଣ୍ଣାୟ ନମଃ ॥ ୦ ॥ ଚନ୍ଦନୀ ହ୍ନ ନମଃ ॥ ଅଙ୍ଗୁଷ୍ଠ

ପୁଷ୍ପାଂ ନମଃ ॥ ୦ ॥ କାଳୀ ପ୍ରଜାଗ୍ରାୟ ନମଃ ॥ ମହାକାଳୀ ନମଃ ॥ ସ୍ୱରୁଦ୍ରାୟ ନମଃ ॥ ସ୍ୱନାଳିଧା ହନୀ ନମଃ ॥ ଆଜାମୁଖୀ ନମଃ ॥

ଯକ୍ଷାୟ ନମଃ ॥ କାଳିକାୟ ନମଃ ॥ ଗୁହ୍ୟକାଳୀ ନାଗନାଗେଶ୍ୱରୀ ନମଃ ॥ ସଧଦାୟସ୍ୟା ନମଃ ॥ ସଧକାଗନ୍ଧସ୍ୟା ନମଃ ॥ ସଧକୁଲପ୍ରସ୍ତ

ଶାକୁସର୍ବସ୍ୟା ନମଃ ॥ ୦ ॥ ଚନ୍ଦନାଦି ପୂଜା ॥ ॥ ମୂଳମନ୍ତ୍ରେ ନହ୍ନ ପୁଷ୍ପାଞ୍ଜଳି ଶ୍ରଦ୍ଧା ॥ ୦ ॥ କାଲସପୂଜା ॥ ୦ ॥ ବ୍ରହ୍ମାଣ୍ଡ ନମଃ ॥ ବିଷ୍ଣବେ ନ

ମଃ ॥ ରୁଦ୍ରାୟ ନମଃ ॥ ଈଶ୍ୱରାୟ ନମଃ ॥ ସ: ଦାଶିବାୟ ନମଃ ॥ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ॥ ଅନନ୍ତାୟ ନମଃ ॥ ନୃସିଂହାୟ ନମଃ ॥

ସନ୍ଧ୍ୟାଣୀ ନମଃ ॥ ଶୀତଳକୀ ନମଃ ॥ ଗୌ ରୀ ନମଃ ॥ ଅଙ୍ଗଜାୟ ନମଃ ॥ ଆଦିତ୍ୟାଦି ନବଗ୍ରହେଭ୍ୟୋ ନମଃ ॥ ଶ୍ରୀପ

ଚମହାଲକ୍ଷ୍ମୀ ନମଃ ॥ ମୂଳେଶ୍ୱର ନମଃ ॥ ସର୍ବପୂର୍ଣ୍ଣକଳସାୟ ନମଃ ॥ ୦ ॥ ମୂଳମନ୍ତ୍ରେ ନହ୍ନ ପୁଷ୍ପାଞ୍ଜଳି ଶ୍ରଦ୍ଧା ॥ ୦ ॥ ହୃଦୟାୟ ଦେହ ପୂଜା ॥ ୦ ॥

…लेनस ॥०॥ बलिपूजा ॥०॥ स्वस्थाना द्विपदाय अंग्रेपालाय नमः ॥ प्रथा [illegible] नमः ॥ नेपाल [illegible] लीदये नमः ॥ लंब
पानाक्षि [illegible] नमः ॥ [illegible] त्रिपा लीय नमः ॥ कालं वज्री महाकालाय नमः ॥ सर्वं गलमहादेवाय नमः
हि प्रज्ञानीदिश्या नमः ॥ गुह्य [illegible] मः ॥ [illegible] त्रिपालाय ॥ नमः ॥०॥ हृदयाद्यि ॥ [illegible] नादि ॥ ० ॥
१ ॥०॥ गोग्रासपूजा ॥०॥ नंदाये नमः ॥ [illegible] ये नमः ॥ [illegible] नाये नमः ॥ [illegible] लाये नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] गो [illegible]
नमः ॥०॥ हृदयादिपञ्चनादि ॥०॥ कौमारीनानापूजा ॥०॥ ब्रह्माणी नमः ॥ माहेश्वरी नमः ॥ कौमारी नमः ॥ वैष्णवी नमः ॥

[illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ वाराही नमः ॥ चामुण्डाय नमः ॥ महालक्ष्मी नमः ॥ कौमारीपूजय नमः ॥०॥ गणपतिपूजा ॥०॥ [illegible] नाथ कालकाय
नमः ॥ विघ्न [illegible] नमः ॥ लंबोदराय न मः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ गणपतिपूजय न
॥०॥ महाकालपूजा ॥०॥ [illegible] कालाय न मः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ महाकाले ॥
वाय नमः ॥०॥ हृदयादि ॥ पञ्चनादि ॥०॥ पून मः [illegible] पूजा ॥०॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]
नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥०॥ [illegible]

শ্রী

ঃআদিত্যাদিনবগ্রহপূজা। [illegible] য নমঃ॥ ওঁ ঈশ্বরায নমঃ॥ অগ্নিপ্রত্যধিদেবতায নমঃ॥ সোমায উমায অপ্প্রত্যধিদেবতা
ঃয নমঃ॥ অঙ্গারকায স্কন্দায ক্ষিতিপ্রত্যধিদে ঃবতায নমঃ॥ বুধায নারায়ণায বিষ্ণুপ্রত্যধিদেবতায নমঃ॥ বৃহস্পতয়ে ব্রহ্মণে
ঃওঁ ইন্দ্রপ্রত্যধিদেবতায নমঃ॥ শুক্রায শক্রা ঃয শচী ইন্দ্রপ্রত্যধিদেবতায নমঃ॥ শনৈশ্চরায যমায প্রজাপতিপ্রত্যধিদেব ঃ
ঃতায নমঃ॥ রাহবে কালায সর্পপ্রত্যধি ঃদেবতায নমঃ॥ কেতবে চিত্রগুপ্তায ব্রহ্মপ্রত্যধিদেবতায নমঃ॥ জন্ম ঃ
ঃনক্ষত্রবিদ্যাদিদেব্যগন্ধর্ব্বপ্রত্যধিদেবতায নমঃ॥০॥ আদিত্যাদিনবগ্রহেভ্যো নমঃ॥০॥ ইতি ক্রিয়াদিনবগ্রহপূজা॥ ০ ॥

॥কৃত্তিকায নমঃ॥ রোহিণী নমঃ॥ মৃগশিরায নমঃ॥ আর্দ্রায নমঃ॥ পুনর্বসু নমঃ॥ পুষ্যায নমঃ॥ অশ্লেষায নমঃ॥ মঘায ন
ঃপূর্বফাল্গুনী নমঃ॥ উত্তরফাল্গুনী নমঃ॥ ঃহস্তায নমঃ॥ চিত্রায নমঃ॥ স্বাতী নমঃ॥ বিশাখায নমঃ॥ অনুরাধায নম
॥জ্যেষ্ঠায নমঃ॥ মূলা নমঃ॥ পূর্বাষাঢায নমঃ॥ ॥উত্তরাষাঢায নমঃ॥ শ্রবণায নমঃ॥ ধনিষ্ঠায নমঃ॥ শতভিষায নমঃ॥ পূর্ব
ঃভাদ্রায নমঃ॥ উত্তরভাদ্রায নমঃ॥ রেবতী নমঃ ॥অশ্বিনী নমঃ॥ ভরণী নমঃ॥ কৃত্তিকাদিনক্ষত্রেভ্যো নমঃ॥০॥ বিষ্কম্ভাদি
ঃযোগপূজা॥০॥ বিষ্কম্ভায নমঃ॥ প্রীতি নমঃ॥ ঃআয়ুষ্মান নমঃ॥ সৌভাগ্যায নমঃ॥ শোভনায নমঃ॥ অতিগণ্ডায নমঃ॥ সু ঃ
ঃকর্মায নমঃ॥ ধৃতি নমঃ॥ শূলায নমঃ॥ গণ্ডায নমঃ॥ বৃদ্ধি নমঃ॥ ধ্রুব নমঃ॥ ব্যাঘাতায নমঃ॥ হর্ষণায নমঃ॥ বজ্রায নমঃ॥ ঃ

स्तु॥ द्विध नमः॥ ध्यानायानाय न... ...नाय नमः॥ प्रद्विप्राग्र नमः॥ शिवाय नमः॥ सिद्धय नमः॥ साध्याय नमः॥ गुह्याय नमः॥ मुक्ति
लीलायै नमः॥ वृक्षनन्दिन्यै नमः॥ अत्राय नमः॥ अष्ट गौ नमः॥ विश्वकाद्विद्या गोष्ठ्या नमः॥०॥ प्रतिपदाय नमः॥ द्वितीयाय नमः॥ तृ
श्री तीयाय नमः॥ चतुर्थी नमः॥ पञ्चमी नमः॥ षष्ठी नमः॥ सप्तमी नमः॥ अष्टमी नमः॥ नवमी नमः॥ दशमी नमः॥ एकादशी नमः॥
१ द्वादशी नमः॥ त्रयोदशी नमः॥ चतुर्दशी नमः॥ पूर्णिमी नमः॥ अमावास्यी नमः॥ प्रतिपदादितिथिभ्यो नमः॥०॥ अथ पाद्यादि दश
दिक्पूजा॥ मेषाय नमः॥ वृषाय नमः॥ मि थुनाय नमः॥ कर्कटाय नमः॥ सिंहाय नमः॥ कन्याय नमः॥ तुलाय नमः॥ वृ
श्चिकाय नमः॥ धनुर्धराय नमः॥ मकराय नमः॥ कुम्भाय नमः॥ मीनाय नमः॥ मेषादि द्वादशराशिभ्यो नमः॥०॥ अष्टवसुभ्यो नमः॥ एकाद

श रुद्रेभ्यो नमः॥ द्वादशादित्येभ्यो नमः॥ श्रीविष्णुमहालक्ष्म्यै नमः॥०॥ मूलमन्त्र॥०॥ श्रीं आत्मतत्त्वाय स्वाहा॥०॥ आत्मतत्त्वादि ... स्वाहा॥०
आत्मतत्त्वं स्वाहा॥०॥ आत्मतत्त्वपालि स्वाहा॥ ० ॥आत्मतत्त्वं पूलि स्वाहा॥०॥ आदित्यादश दशाधाता स्वाहा॥०॥ आत्मतत्त्व स्वाहा॥ ०॥
आत्मतत्त्वं पूर्वं आमट स्वाहा॥०॥ महालक्ष्मी मह ; इति मन्त्राणां विद्याविधा महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं आत्मतत्त्व प्राणशुद्धिकाः॥०॥ मूर्ती॥
॥०॥ नीलाष्टभुजविपि ... कामहिलप्रदे ; जगन्नाथ पित्रा विश्वरूपिणी नमोस्तु ते॥०॥ धूपमन्त्र॥ ॐ ... गन्धसुधा॥
... गन्धापुष्पमल्लानि देवदत्तप्रयत्न ।थथथथथ॥ मायुक्तं धूपं प्रतिगृह्णताम्॥०॥ दीपमन्त्र॥०॥ ॐ ... द्विवाक्ष ... गन्ध

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
৬ [illegible] थथथ थथथ [illegible] ৬

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५४४।८५ [illegible]